डोली और अर्थी की तुम सुनो कहानी | By Poonam Pandey , Mukesh Kumar |

डोली और अर्थी की
तुम सुनो कहानी
रिश्ता है इनमें क्या
सुनो मेरी ज़ुबानी

निकली जो डोली किसी की
अर्थी से आ मिली
इतराई डोली खुद पे
बात उनमें ऐसी चली
सुनो उठे थे
जो भी सवाल
सुनो आगे कहानी
डोली और अर्थी की
तुम सुनो कहानी

रास्ता क्यूँ मेरा रोका
डोली से ये पूछती
तेरा मेरा मेल क्या है
क्रोध से ये देखती
तेरी कुछ भी
नहीं औकात
मत कर नादानी
रिश्ता इनमें है क्या
सुनो मेरी ज़ुबानी
डोली और अर्थी की
तुम सुनो कहानी

अर्थी ने भेद बताया
डोली को ये समझाया
फूल तुझमें फूल मुझमें
रिश्ता है क्या बतलाया
दोनों संग
चलते चार
अरी सुन अभिमानी
डोली और अर्थी की
तुम सुनो कहानी

तू है पिया घर जाती
मैं भी पिया से मिल आती
फिर भी एक सच्चाई ये
समझ न तुझको आती
होगा तेरा
यही हाल
मत कर मनमानी
डोली और अर्थी की
तुम सुनो कहानी

काहे को तू इतराए
रूप तो साथ न जाए
काल की मार पड़े जब
चालाकी काम न आए
झूठा है
सब संसार
माया आनी जानी
डोली और अर्थी की
तुम सुनो कहानी

डोली को समझ में आया
अभिमान टूटा
खुद पर जो इतराती थी
भरम उसका टूटा
डोली ने
मान ली हार
मिट गई परेशानी
डोली और अर्थी की
तुम सुनो कहानी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a1%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a5%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a5%8b-%e0%a4%95/